Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In Apr 2019

फूलों की महक में यूनिवर्सिटी कैम्पस

छात्राएं बोली- फूलों में बैठकर पढ़ने का अलग ही मजा

हिसार, 1 अप्रैल (ब्यूरो): मौसम में परिवर्तन के साथ-साथ यूनिवर्सिटी कैम्पस में रंग-बिरंगे फूल खिलने लगे हैं। जी.जे.यू. कैम्पस की छात्राएं प्रतिदिन फूलों का आनंद उठाती हैं। बसंत ऋतु शुरू हो शुरू हो चुकी है जिससे यूनिवर्सिटी कैम्पस का सुहाना मौसम हो गया है। छात्राएं प्रतिदिन फूलों के साथ सैल्फी लेती नजर आती हैं। जी.जे.यू. के जनसंचार विभाग की छात्राएं रीतिका, आरजू, पूनम, किरण, ज्योति, पिंकी, शिवानी व रिंकी ने बताया कि कक्षाएं समाप्त होने के बाद हम अक्सर पार्क में जाकर पढ़ाई करते हैं व फोटो लेते हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं नजदीक आ गई हैं। ऐसे में पार्क में सुंदर फूलों के बीच बैठकर पढ़ाई करने का अपना ही अलग मजा है।

पंजाब केसरी 2/4/19

इंडोर हॉकी | एमडीयू की महिला टीम ने दर्ज की सबसे बड़ी जती, मीरपुर की इंदिरा गांधी विवि को 30-0 से रौंदा

जीजेयू हिसार ने वीबीएसपीयू की टीम को 7-2 से हराया

अमर उजाला ब्यूरो

रोहतक। एमडीयू के खिलाड़ियों ने खेल की दुनिया में ढंका बजा रखा है। इसका एक उदाहरण बुधवार को एमडीयू के डॉ. मंगलसेन जिम्नेजियम हॉल में देखने को मिला। यहां पर एमडीयू की महिला टीम ने रेवाड़ी के मीरपुर की इंदिरा गांधी विवि की टीम को 30 मिनट के खेल में 30-0 से मात दी। एमडीयू की खिलाड़ियों ने हर एक मिनट में एक गोल दाग मुकाबले को एकतरफा जीत लिया।

एमडीयू के खेल परिसर में अखिल भारतीय अंतर विवि इंडोर हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन के खेल का शुभारंभ एमडीयू के खेल निदेशक डॉ. डीएस ढुल ने किया। प्रतियोगिता में महिला वर्ग के दो व पुरुष वर्ग के तीन मैच खेले गए। महिला वर्ग का पहला मुकाबला एमडीयू व मीरपुर स्थित इंदिरा गांधी विवि की टीम के मध्य खेला गया। एमडीयू की टीम ने पहले मिनट से ही अपने प्रतिद्वंद्वी पर गोल दागने शुरू कर दिए। 30 मिनट के खेल में एमडीयू की टीम ने 30 गोल कर एक रिकार्ड बना दिया।

प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय अंपायर निर्मल डागर ने कमान संभाले रखी। निर्णायक की भूमिका अनिल कुमार, आंनद सिंह दांगी, केएस सैनी, मनिषा सैनी, वीरेंद्र ने निभाई। इस दौरान सुमन मान, प्रो.आरपी गर्ग, मनीष सिंह, अजय जून, राजेश जौनपुर, पवन कुमार, श्री ओम, विजय कुमार, नवीन, नरेश हुड्डा, मीनाक्षी, कुसुम, डॉ. मनोज गोयल, अशोक कुमार मौजूद रहे।

मुकाबले में हिसार की टीम ने किया शानदार प्रदर्शन

दिन के दूसरे मुकाबले में हिसार की गुरु जंभेश्वर विवि की टीम ने जौनपुर स्थित वीबीएसपीयू की टीम को 7-2 के अंतर से हरा दिया। पुरुष वर्ग में नॉक आउट दौर में दिल्ली की जामिया मिलिया इस्लामिया विवि की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एनए विवि की टीम को 7-2 के अंतर से हरा दिया। जौनपुर स्थित वीबीएसपी विवि की टीम ने आगरा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर विवि की टीम को 13-2 से हरा दिया। अंतिम मैच में मीरपुर स्थित इंदिरा गांधी विवि की टीम ने जींद की सीआरएसयू की टीम को 10-3 के अंतर से हरा दिया।

अमर उजाला - 4/4/19

जीजेयू में हैंड्स ऑन रोबोटिक वर्कशॉप शुरू

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इक्यूबेशन सेंटर एंड स्टार्टअप सेल द्वारा वर्ल्ड बैंक टीईक्यूआईपी-3 के प्रायोजन से चार दिवसीय हैंड्स ऑन रोबोटिक वर्कशॉप कम-कंपीटीशन ऑनलाइन फोलोवर रोबोट का शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षण खंड-7 में शुरू हुई कार्यशाला का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने निरीक्षण किया और प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई दी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को नए-नए आइडियाज तैयार कर विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर में प्रस्तुत करने चाहिए। आइडियाज पर सेंटर द्वारा अध्ययन किया जाएगा और इनको सफल बनाने में सहयोग किया जाएगा। सेंटर द्वारा शुरू की गई यह कार्यशाला प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी। सेंटर एंड स्टार्टअप सेल के निदेशक प्रो. दीपक केडिया ने बताया कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से लगभग 250 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस मौके पर सहायक प्रोफेसर अजय कुमार, सहायक प्रोफेसर अंशुल और डा. अनुज का भी विशेष सहयोग रहा।

कार्यशाला में रोबोट बनाना सीख रहे छात्र

गुजवि में आयोजित कार्यशाला में रोबोट बनाने में जुटे विद्यार्थी। -निस

हिसार (निस) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पं. दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर एंड स्टार्ट अप सैल द्वारा वर्ल्ड बैंक टीईक्यूआईपी-3 के प्रायोजन से चार दिवसीय 'हैंड्स ऑनरोबोटिक वर्कशॉप-कम-कम्पीटिशन ऑनलाइन फॉलोवर रोबोट' का शुभारम्भ किया गया। कार्यशाला का निरीक्षण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया और प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नये-नये आइडियाज तैयार कर विश्वविद्यालय के पं. दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर में प्रस्तुत करने चाहिए।

दैनिक ट्रिब्यून - 6/4/19

पहल • सेल्फ मैनेजमेंट थैरेपी के मानकों पर होगी परख, जाना जाएगा कैसे बढ़ा सकते हैं वर्क परफॉरमेंस

जीजेयू वर्क प्लेस पर खुशनुमा माहौल को लेकर करेगी रिसर्च

सुभाष चंद्र | हिसार

भागदौड़ भरी इस जिंदगी में निजी व सरकारी फर्मों में काम कर रहे कर्मचारी अवसाद का शिकार हो जाते हैं। इन कर्मचारियों को अवसाद से उबारने व इनकी वर्क परफॉरमेंस बढ़ाने के लिए जीजेयू के मनोविज्ञान विभाग ने रिसर्च शुरू की है। इसमें कर्मचारियों की स्थिति को जाना जाएगा कि वो किन परिस्थितियों में अच्छा काम करते हैं।

देखने में आता है कि खुश रहने से व्यक्ति की वर्क परफॉरमेंस तो बढ़ती ही है, बल्कि उनका मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। इसको ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों पर जीजेयू सेल्फ मैनेजमेंट थैरेपी यूज कर उसके प्रभाव को जानने की कोशिश करेगी।

मैनेजमेंट थैरेपी में इन चार पहलुओं पर होगा फोकस

1. **अवेयरनेस**: अपनी भावनाओं व विचारों के बारे में तथा वर्तमान के प्रति सजगता होना, साथ ही सहकर्मियों के बारे में कितने अवेयर हैं।

2. **धारणा**: व्यक्ति की धारणाओं के बारे में जानना, चाहे वो उसके अपने बारे में हो। सहकर्मियों को लेकर धारणाएं। कार्यस्थल को लेकर व जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में धारणाएं के बारे में जाना जाएगा। इनमें बदलाव कर विचारों के परिवर्तन को जाना जाएगा और हैप्पीनेस इंडेक्स को बढ़ाया जा सकता है।

3. **पर्सनल स्ट्रेंथ**: मैनेजमेंट थैरेपी के तीसरे चरण में व्यक्ति की पर्सनल स्ट्रेंथ को पहचान कर इसको बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। देखने में आता है कि व्यक्ति को सबसे ज्यादा खुशी तब ही मिलती है जब हम अपनी स्ट्रेंथ को पहचान कर उसकी उपयोग में लाते हैं।

4. **पॉजिटिव इमोशन**: थैरेपी के अंतिम चरण में कुछ पॉजिटिव इमोशन को डिवेलप किया जाएगा। इसमें ग्रेटिट्यूड, सेल्फ इंस्पिरेशन। जो जीवन में अच्छा हो उसको पहचानना व उसके लिए थैंकफुल होना। खुद में विश्वास करके असफल होने के बाद दोबारा प्रयास करना व जीवन के कुछ बेहतर होने की उम्मीद करना आदि बातों पर कर्मचारियों को परखा जाएगा।

40 शिक्षकों पर किया जाएगा शोध

यह शोध स्कूल के 40 शिक्षकों पर पांच महीने तक किया जाएगा। इसमें वैज्ञानिक रूप से यह जानने की कोशिश की जाएगी कि किस तरह के विचारों और जीवन शैली में बदलाव कर हैप्पीनेस इंडेक्स को बेहतर किया जा सकता है।

पांच महीने तक किया जाएगा अध्ययन

• कार्यस्थल पर भी व्यक्ति खुश रहे तथा एक दूसरे से सामंजस्य स्थापित करके काम कर सके। इन्हीं कारणों को जानने के लिए रिसर्च शुरू की है। खुद के बारे में जागरूक होकर स्वयं के बारे में सकारात्मक प्रबंधन करके ही कर्मचारी कार्यस्थल पर खुश रह सकते हैं। इन सब बातों को वैज्ञानिक रूप से समझने के लिए शिक्षकों पर पांच महीने तक अध्ययन किया जाएगा। -प्रो. संदीप राणा, मनोविज्ञान विभाग, जीजेयू।

दैनिक भास्कर - 3/4/19

महिला हॉकी में गुजवि उपविजेता

हिसार में शुक्रवार को अंतःविश्वविद्यालय हॉकी फाइव साइड महिला प्रतियोगिता में दूसरा स्थान पाने वाली गुजवि की टीम को सम्मानित करते आयोजक। -निस

हिसार (निस) : महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में हुई अंतःविश्वविद्यालय हॉकी फाइव साइड महिला प्रतियोगिता में गुजवि की टीम उपविजेता रही। टीम की 9 खिलाड़ियों में से 7 गवर्नमेंट पीजी कॉलेज से हैं। उनकी जीत पर कॉलेज प्रशासन ने खुशी जताई और खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया। खेल प्रशिक्षक डॉ. सुखबीर ढुइन ने बताया कि उपविजेता टीम की 7 खिलाड़ी गवर्नमेंट पीजी कॉलेज की थीं। जिनमें मुदिता जागलान व पूजा गोस्वामी, मनीषा गिल, रजनी, किरण, रेखा व सोनिया शर्मा जाट कॉलेज व रेखा शर्मा इम्पीरियलन कालेज टीम की सदस्या रहीं। महाविद्यालय की मोनिका सिहाग को टूर्नामेंट की बेस्ट खिलाड़ी चुना गया।

रोहतक में छाई हिसार की छोरियां

हिसार, 5 अप्रैल (ब्यूरो): महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक में 2 से 5 अप्रैल तक अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालय हॉकी फाइव साइड महिला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जी.जे.यू. की ओर से कुल 9 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इन खिलाड़ियों में से राजकीय महाविद्यालय हिसार की सात खिलाड़ी शामिल थीं। जिनमें मुदिता जागलान व पूजा गोस्वामी बी.ए. द्वितीय वर्ष, मनीषा गिल, रजनी, किरण व रेखा बी.ए. प्रथम वर्ष तथा सोनिया शर्मा जाट कालेज व रेखा शर्मा इम्पीरियलन कालेज हिसार टीम की सदस्या रही। महाविद्यालय की मोनिका सिहाग को टूर्नामैंट की बैस्ट खिलाड़ी चुना गया। डा. जगबीर सिंह बूरा टीम कोच व सुशीला बूरा टीम मैनेजर के तौर पर टीम के साथ रहे।

एम.डी.यू. रोहतक में पुरस्कार प्राप्त करती जी.जे.यू. की टीम।

पंजाब केसरी - 6/4/19

नए-नए आइडियाज् तैयार करके प्रस्तुत करें विद्यार्थी : टंकेश्वर

हिसार, 6 अप्रैल (निस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प. दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर एंड स्टार्टअप सैल द्वारा वर्ल्ड बैंक टीईक्यूआईपी-3 के प्रायोजन से चार दिवसीय 'हैंड्स ऑन रोबोटिक वर्कशॉप-कम-कम्पीटिशन ऑन लाइन फोलोवर रोबोट' का शुभारम्भ किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षण खंड 7 में शुरू हुई कार्यशाला का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने निरीक्षण किया तथा प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई दी।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को नए-नए आइडियाज् तैयार कर विश्वविद्यालय के प. दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सैंटर में प्रस्तुत करने चाहिए। आइडियाज् पर सैंटर द्वारा अध्ययन किया जाएगा तथा इनको सफल बनाने में सहयोग किया जाएगा। सैंटर द्वारा शुरू की गई यह कार्यशाला प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी।

प. दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सैंटर एंड स्टार्टअप सैल के निदेशक प्रो. दीपक केडिया ने बताया कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से लगभग 250 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यशाला में प्रतिभागी विद्यार्थी पहले तीन दिन परैलटैक्स सोल्यूशन प्राईवेट लिमिटिड के एक्सपर्ट संदीप के नेतृत्व में रोबोट तैयार करेंगे।

कार्यशाला के अंतिम दिन प्रतिभागियों द्वारा तैयार किए गए रोबोट का कम्पीटिशन होगा। सबसे अच्छा रोबोट बनाने वाले पहले तीन प्रतिभागियों को सम्मानित किया किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के पहले दिन विद्यार्थियों द्वारा 'डिजाईन एंड टेस्टिंग ऑफ आईआर-ओबस्टेकल सेंसर मोडयूल' पर कार्य किया गया। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर अजय कुमार, सहायक प्रोफेसर अंशुल और डा. अनुज का भी विशेष सहयोग रहा।

गौरव के पल • अमेरिका प्रिंटिंग उद्योग के अध्यक्ष माइकल एफ माकिन ने प्रो. अंजन कुमार बराल को एजुकेशन अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस-2018 प्रदान किया

इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला न मिला तो रुचि न होते हुए भी प्रिंटिंग फील्ड में आए, 36 सालों के इतिहास में एशिया एजुकेशन अवॉर्ड ऑफ एक्सिलेंस पाने वाले पहले प्रोफेसर बने

मंडे पॉजिटिव

भास्कर न्यूज | हिसार

कहते हैं इंसान में कामयाब होने की लगन होनी चाहिए, फिर फील्ड चाहे कोई भी हो। ऐसे ही शख्स हैं जिन्हें इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला नहीं मिला तो रुचि न होने हुए भी प्रिंटिंग कॉलेज में दाखिला ले लिया। अब 36 सालों में भारत ही नहीं एशिया के पहले प्रोफेसर बने, जिन्हें अमेरिका के मिनियापोलिस में एजुकेशन अवॉर्ड ऑफ एक्सिलेंस-2018 से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड एजुकेशन ग्राफिक कम्युनिकेशन के विकास में सहयोग के लिए दिया गया। बात हो रही है जीजेयू के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के प्रो. अंजन कुमार बराल की।

जीजेयू में प्रिंटिंग विभाग में प्रो. अंजन बराल।

प्रो. अंजन बराल को इन उपलब्धियों के लिए मिला अवॉर्ड

2015 में अखिल भारतीय मास्टर प्रिंटर्स के सहयोग से 21वीं सदी की प्रिंटिंग विषय पर अब तक की पहली अंतरराष्ट्रीय रिसर्च कॉन्फ्रेंस आयोजित करवाई गई। यह पहली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस थी जो प्रिंटिंग के क्षेत्र में बदलाव को लेकर आयोजित हुई थी। इसमें ऑल इंडिया मास्टर प्रिंटर्स फेडरेशन के प्रेसीडेंट, देश व विदेश से 500 के करीब प्रोफेसर सहित स्टेट गवर्नर व जर्मनी, यूके, चाइना से विभिन्न शिक्षण संस्थानों से प्रिंटिंग विषय के एक्सपर्ट उपस्थित हुए थे।

देशभर के संस्थानों के लिए डिप्लोमा व डिग्री के लिए तैयार किया सिलेबस ये उपलब्धियां भी रहीं

1. प्रो. बराल ने देशभर के शिक्षण संस्थानों के लिए डिग्री व डिप्लोमा कोर्स के लिए सिलेबस तैयार किया था। यह पूरे भारत के शिक्षण संस्थानों में आजमाया गया। इस दौरान समस्त भारत के शिक्षण संस्थानों से टीचर उपस्थित हुए थे। ऑल इंडिया प्रिंटिंग फेडरेशन ने उनकी उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें यह काम सौंपा था।

2. जीजेयू में रिको के सहयोग से डिजिटल प्रिंट एप्लीकेशन लैब की स्थापना करवाई। जोकि करीब डेढ़ करोड़ की लागत से बनाई गई। मगर यह लैब रिको की ओर से फ्री में तैयार करवाई गई। देश के प्रिंटिंग संस्थानों में से एकमात्र प्रयोगशाला है।

3. उन्होंने जीजेयू में प्रिंट ओलंपियाड प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया। इसमें जिसमें टीचर व स्टूडेंट्स के लिए एक-एक लाख रुपये का कैश प्राइज दिया गया था।

4. प्रो. बराल से देश विदेश में इंडस्ट्रीज सहित शिक्षण संस्थानों में ट्रेनिंग दी है, उनसे पढ़े हुए स्टूडेंट्स डीआरडीओ में साइंटिस्ट समेत प्रिंटिंग के क्षेत्र में एंटरप्रेन्योर भी बन चुके हैं।

प्रो. बराल को 2016-17 में एजुकेशन एक्सिलेंस प्रिंट रत्न अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. बराल का भारत के ग्राफिक आर्ट उद्योग में शिक्षण, शोध व विषय विशेषज्ञ के रूप में तीन दशकों से भी अधिक का अनुभव है। वर्तमान में उनके मार्गदर्शन में आठ शोधार्थी शोध कार्य कर रहे हैं। प्रो. बराल को अखिल भारतीय मास्टर प्रिंटर्स फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष कमल चोपड़ा द्वारा सम्मानित किया गया था।

गुजवि में हैंडस ऑन रोबोटिकस वर्कशॉप आयोजित

रोबोटिकस में ईसीई के हितेश व साहिल अव्वल

■ प्रो.अंबरीश ने कहा, किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने वाला प्रतिभागी कभी नहीं हारता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुजवि के पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इक्यूबेशन सैंटर एंड स्टार्टअप सैल द्वारा वर्ल्ड बैंक टीईक्यूआईपी-3 के प्रायोजन से चार दिवसीय 'हैंड्स ऑनरोबोटिक वर्कशॉप-कम-कंपीटिशन ऑन लाइन फोलोवररोबोट' कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कंपीटिशन में विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी हितेश व साहिल ने पहला स्थान प्राप्त किया वहीं तृतीय वर्ष की छात्रा किरण भाटिया व नितिका भारद्वाज ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के तृतीय वर्ष के विद्यार्थी दिवेश सिंह वर्मा व मन्नी भारद्वाज तीसरे स्थान पर रहे। टीईक्यूआईपी-3 के समन्वयक प्रो. अंबरीश पांडेय ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प. दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशनसैंटर एंड स्टार्ट अप सैल के निदेशक प्रो.दीपक केडिया ने की। प्रो. अंबरीश पांडेय ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने वाला प्रतिभाग्री कभी हारता नहीं है। वह अपनी हार से भी बहुत कुछ सिखता है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी को भाग लेना चाहिए। उन्होंने टीईक्यूआईपी द्वारा करवाए गए कार्यों व आगामी कार्यक्रमों पर भी प्रकाश डाला। प्रो. दीपक केडिया ने बताया कि चार दिवसीय कार्यक्रम में 200 विद्यार्थियों की 100 टीमों द्वारा अपने-अपने लाइन फोलोवर रोबोट तैयार किए गए। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए रोबोटों का 6 बाई 4 के पाथ पर कंपीटिशन करवाया गया। उन्होंने बताया कि तेज गति से चलकर लाइन फॉलो करने वाले पहले 10 रोबोटों को चुना गया। पहली तीन विजेता टीमों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया वहीं अन्य 7 टीमों के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भेंट किए गए। परैल टैक्स सोल्यूशन प्राईवेट लिमिटिड के एक्सपर्ट संदीप कुमार के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा रोबोट तैयार किए गए। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया तथा सैल की गतिविधियों के बारे में रूबरू करवाया। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर अजय कुमार, सहायक प्रोफेसर अंशुल और डा. अनुज का भी विशेष सहयोग रहा।

हिसार। गुजवि में आयोजित कार्यशाला के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए प्रो. अंबरीश पांडेय, प्रो. दीपक केडिया व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि- 9/4/19

रोबोट दौड़ • 10 रोबोट को अल्ट्रासोनिक सेंसर लगा बनाएंगे स्मार्ट, रास्ते में आने वाले अवरोधों की कर सकेंगे पहचान

₹900 से बने रोबोट ने 20 सेकंड में 9.5 मीटर तय कर 99 को पीछे छोड़ा

सुभाष चंद्र | हिसार

टीम हितेश नाम के रोबोट ने 9.5 मीटर के रास्ते को सिर्फ 20.12 सेकंड में पार कर बाकी 99 रोबोट को पीछे छोड़ दिया। टीम हितेश रोबो पहले स्थान पर रहा। जीजेयू के पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इन्क्युबेशन सेंटर एंड स्टार्ट अप सैल ने वर्ल्ड बैंक टीईक्यूआईपी-3 की ओर से चार दिवसीय 'हैंड्स ऑन रोबोटिक वर्कशॉप-कम-कम्पीटिशन ऑन लाइन फोलोवर रोबोट' कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें जीजेयू इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग की टीम दूसरे वर्ष के स्टूडेंट हितेश व साहिल की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, तृतीय वर्ष की छात्रा किरण भाटिया व नितिका भारद्वाज का डिजिटल दिवाज रोबोट ने 20.50 सेकंड में रास्ते को पार कर दूसरा स्थान हासिल किया। कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी दिवेश सिंह वर्मा व मन्नी भारद्वाज का साइबर ट्रुथ नाम का रोबो 20.67 सेकंड में 9.5 मीटर के पाथ को पार करने में सफल रहा। विजेता टीमों के रोबोट को आरडुनो तकनीक से स्मार्ट बनाया जाएगा। अल्ट्रासोनिक सेंसर का उपयोग कर ये रोबोट रास्ते में आने वाले अवरोधों की पहचान कर उनसे बिना टकराए कम समय में रास्ता तय करेंगे। इसके अलावा आईओआई तकनीक की सहायता से इंटरनेट के माध्यम से इन रोबोट्स को कहीं से भी नियंत्रित एवं संचालित किया जा सकेगा। इससे एप भी डेवलप कर सकते हैं।

किस टीम का रोबोट कितने समय में तय कर पाया रास्ता

जीजेयू में हैंड्स ऑन रोबोटिक वर्कशॉप-कम-कम्पीटिशन ऑन लाइन फोलोवर रोबोट' कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 200 स्टूडेंट्स ने 100 रोबोट बनाए।

जानिए... पहले तीन विजेता रोबोट की क्षमता

- दो आई सेंसर मॉड्यूल।
- एक डीसी ड्राइवर मॉड्यूल।
- दो डीसी मोटर 100 आरपीएम।
- दो बैटरी 9 वाट 250 एमएच पावर।
- एक रोबोट चेसिस।
- एक कैस्टर व्हील।
- बैक में दो टायर

टीम	विभाग	समय
1. हितेश, साहिल	ईसीई	20.12 सेकंड
2. निकिता, किरण	ईसीई	20.50 सेकंड
3. देवेश, मानी	सीएसई	20.67 सेकंड
4. अजय, जयदीप	सीएसई	21.63 सेकंड
5. राहुल, हिमानी	ईसीई	21.66 सेकंड
6. रश्मि, निधि	सीएसई	22.40 सेकंड
7. शुभम, अंकित	ईसीई	22.82 सेकंड
8. विपुल, रोहित	ईसीई	23.84 सेकंड
9. वंशिका, कनक	सीएसई	28.83 सेकंड
10. मेघा, अंजलि	ईसीई	41.05 सेकंड

दैनिक भास्कर- 9/4/19

ऐसा रोबोट बनाऊंगा जो देश के काम आए

4 'हैंड्स ऑन रोबोटिक वर्कशॉप का किया गया आयोजन, जी.जे.यू. के विद्यार्थियों ने बनाए 200 रोबोट

हिसार, 8 अप्रैल (ब्यूरो): जी.जे.यू. के पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन, इनक्यूबेशन सैंटर एंड स्टार्ट अप सैल द्वारा वर्ल्ड बैंक टी.ई.क्यू.आई.पी.-3 के प्रायोजन से चार दिवसीय 'हैंड्स ऑन रोबोटिक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस दौरान ऑन लाइन फोलोवर रोबोट' कार्यशाला प्रतियोगिता आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी हितेश व साहिल ने पहला स्थान प्राप्त किया। तृतीय वर्ष की छात्रा किरण भाटिया व नितिका भारद्वाज ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के तृतीय वर्ष के विद्यार्थी दिवेश सिंह वर्मा व मन्नी भारद्वाज तीसरे स्थान पर रहे। टी.ई.क्यू.आई.पी.-3 के समन्वयक प्रो. अम्बरीश पाण्डेय ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प. दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सैंटर एंड स्टार्टअप सैल के निदेशक प्रो. दीपक केडिया ने की।

जी.जे.यू. में रोबोट बनाते विद्यार्थी।

ये बोले विद्यार्थी

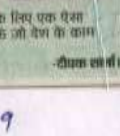

हमारे शिक्षकों की मेहनत से हम रोबोट बनाने सीख रहे हैं। अभी तो शुरूआत है। सपना है कि देश के लिए एक ऐसा रोबोट बनाऊं जो देश के काम आए।

-दीपक शर्मा।

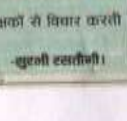

ऐसा रोबोट बनाने की कोशिश में हूं जो किसी ने नहीं बनाया। इसके लिए मैं हमारे शिक्षकों से विचार करती रहती हूं।

-सुरभी रस्तोगी।

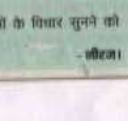

कार्यक्रम में भाग लेकर बहुत ज्ञानवर्धक हुआ। रोबोट बनाने की अलग-अलग तकनीक की जानकारी हुई। विद्वानों के विचार सुनने को मिले।

-नीरज।

पंजाब केसरी- 9/4/19

जीजेयू • पहली बार इंजीनियरिंग में भी रैंकिंग के लिए किया था अप्लाई राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने जारी की एनआईआरएफ की रैंकिंग

फार्मेसी विभाग ने नेशनल इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग फ्रेमवर्क में 9 रैंक की छलांग लगा देश में हासिल किया 35वां स्थान, इंजीनियरिंग व ओवरऑल रैंकिंग में टॉप 100 से बाहर

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू की एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग फ्रेमवर्क) की रैंकिंग में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। जीजेयू पिछले साल की तरह टॉप 100 शिक्षण संस्थानों से बाहर ही रहा। हालांकि जीजेयू के फार्मेसी विभाग की रैंक में पिछले वर्ष से सुधार हुआ और वह 44वें नंबर से 35वें स्थान पर पहुंच गया है। मगर ओवरऑल रैंकिंग के साथ-साथ जीजेयू इंजीनियरिंग विभाग में भी लिस्ट से बाहर ही रहा। जीजेयू ने इंजीनियरिंग में एनआईआरएफ की रैंकिंग के लिए पहली बार अप्लाई किया था। जीजेयू जहां टॉप 100 में जगह नहीं बना सका, वहीं एमडीयू 90 रैंक के साथ स्टेट में पहले व केयू 96 रैंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

इन पैरामीटर्स पर हुई रैंकिंग

एनआईआरएफ उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग पांच व्यापक पैरामीटर्स के आधार पर करता है। इनमें शिक्षण संस्थानों की पहुंच एवं समावेशिता, अनुसंधान एवं व्यावसायिक प्रैक्टिस, शिक्षण-अधिगम संसाधन (टीचिंग लर्निंग रिसोर्सेज), अंडर-ग्रेजुएट छात्रों के परीक्षा परिणाम और अवधारणा जैसे बेंचमार्क शामिल हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली के प्लेनरी हॉल में एनआईआरएफ रैंकिंग 2019 जारी की। रैंकिंग की घोषणा कई श्रेणियों-ओवरऑल, यूनिवर्सिटी, इंजीनियरिंग, कॉलेज, मैनेजमेंट, फार्मेसी, मेडिकल, आर्किटेक्चर व लॉ विषयों में की गई। एनआईआरएफ के तहत पिछले साल पहली बार मेडिकल व डेंटल कॉलेजों की भी रैंकिंग की गई थी। एनआईआरएफ ने पहली बार साल 2016 में रैंकिंग की थी। उस समय चार कैटेगरी-यूनिवर्सिटी, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट व फार्मेसी में रैंकिंग हुई थी। 2017 में ओवरऑल व कॉलेज कैटेगरी को शामिल किया गया था।

तीन साल तक पैरामीटर पर आंकने के बाद किया था अप्लाई

जीजेयू ने पहली बार इंजीनियरिंग में एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए आवेदन किया था। पिछले तीन वर्षों तक एनआईआरएफ के इंजीनियरिंग के विभिन्न पैरामीटर पर स्वयं को आंकने व सुधार के बाद यूनिवर्सिटी ने इंजीनियरिंग के लिए आवेदन किया था। जीजेयू प्रशासन के अनुसार विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभागों ने तीन वर्षों में प्लेसमेंट व आउटकम में बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके बाद जीजेयू ने विश्वविद्यालय व फार्मेसी के साथ इंजीनियरिंग के लिए भी आवेदन करने का निर्णय लिया।

पिछले साल ओवरऑल 112वें रैंक पर थी यूनिवर्सिटी

एनआईआरएफ की रैंकिंग में पिछले तीन साल से जीजेयू ने यूनिवर्सिटी व फार्मेसी संस्थानों के लिए ही आवेदन किया था। पिछली बार विश्वविद्यालय को 112वां व फार्मेसी विभाग को देश में 44वां स्थान मिला था। इस बार फार्मेसी विभाग को 35वां स्थान मिला है।

इंजीनियरिंग रैंकिंग में सुधार के प्रयास किए जाएंगे: वीसी

जीजेयू ने फार्मेसी विभाग में 9 रैंक का सुधार हासिल किया है, हालांकि ओवरऑल में यूनिवर्सिटी 100 से 150 की कैटेगरी में ही शामिल रही। फार्मेसी की तरह ओवरऑल रैंकिंग व इंजीनियरिंग रैंकिंग में भी सुधार के प्रयास किए जाएंगे। इनमें स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ाई जाएगी तथा नए टीचर भर्ती किए जाएंगे, जिससे स्टूडेंट्स टीचर की रेशो में सुधार होगा, और एनआईआरएफ रैंकिंग में बढ़ोतरी होगी।

-प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू

दैनिक भास्कर - 09-4-2019

ब्रेन बैलेंसिंग से दृष्टिबाधित लोगों ने महसूस कर पढ़े अक्षर

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में विज्डम ऑफ माइंड संस्था की तरफ से 'ब्रेन बैलेंसिंग विद नेच्यूरल विजवलाइजेशन' विषय पर सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 12 दृष्टिबाधित बच्चों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भी शिविर का निरीक्षण किया। शिविर का संचालन संस्था के संस्थापक जितेन्द्र कुमार जांगड़ा ने किया। उन्होंने बताया कि शिविर में दृष्टिबाधित बच्चों को ध्यान, योग व अन्य दिमागी व्यायामों के माध्यम से भीतरी ऊर्जा को जगाने का प्रयास किया गया। इस दौरान बच्चों को रंगों की अनुभूति भी होने लगी है। दृष्टिबाधित बच्चों को सामान्य रूप से छपे हुए अक्षरों को महसूस करके पढ़ना व बोलना शुरू किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पद्धति के माध्यम से दृष्टि बाधित व्यक्तियों को शिक्षित करके समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जा सकता है।

गुजवि में आयोजित शिविर में बच्चों को प्रशिक्षित करते हुए जितेंद्र कुमार जांगड़ा।

संस्था ने 500 से अधिक दृष्टिबाधित व्यक्तियों को स्वस्थ समाज से जोड़ा

जितेंद्र जांगड़ा ने बताया कि संस्था ने अब तक 500 से अधिक दृष्टिबाधित व्यक्तियों को ठीक किया है। यह सेवा दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए निशुल्क है। संस्था द्वारा आगामी दो वर्षों में देश के सभी दृष्टिबाधित व्यक्तियों को इस मिशन के साथ जोड़कर उनको स्वस्थ कर समाज की मुख्यधारा के साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर में प्रमिला, पंकज शर्मा व सुधीर बेरवाल का विशेष सहयोग रहा।

जानिए क्या है यह पद्धति

शिविर के संचालक जितेन्द्र कुमार जांगड़ा ने बताया कि यह पद्धति सामान्य रूप से प्रचलित ब्रेललिपी पद्धति से अलग है। इस पद्धति में दिमाग की आंतरिक शक्तियों को विकसित करके दृष्टिबाधित व्यक्तियों को लिखने, पढ़ने, समझने, महसूस करने व रंगों को पहचानने आदि का ज्ञान करवाया जाता है। इस पद्धति से व्यक्ति की एकाग्रता, याददाशत व मानसिक दृढ़ता मजबूत होती है। उन्होंने बताया कि यदि सामान्य व्यक्ति दिमाग का व्यायाम व इस पद्धति से अपने दिमाग को उपयोग करने का तरीका सीखते हैं तो उनकी याददाश्त, पढ़ने की गति और एकाग्रता में सुधार लाया जा सकता है। इससे लोग लाभ उठा रहे हैं।

दैनिक जागरण - 11/4/19

कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव में जी.जे.यू. के 17 स्टूडैंट्स का चयन

आई.सी.आई.सी.आई. प्रूडैंशियल लाइफ इंश्योरैंस कम्पनी में हुआ है चयन

हिसार, 10 अप्रैल (ब्यूरो): जी.जे.यू. (गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से हुए कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनैस के 17 विद्यार्थियों का चयन न्यू दिल्ली स्थित आई.सी.आई.सी.आई. प्रूडैंशियल लाइफ इंश्योरैंस कम्पनी में हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनैस के एम.बी.ए. के 38 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कम्पनी की एच.आर. चंद्रिका गोस्वामी ने कम्पनी के बारे में विस्तार से बताया तथा सभी विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया।

प्लेसमैंट ड्राइव में चयनित स्टूडैंट्स के साथ हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनैस के निदेशक प्रो. एन.एस. मलिक व प्लेसमैंट सैल के अधिकारी।

पंजाब केसरी - 11/4/19

ब्रेन बैलेंसिंग से दृष्टिबाधित लोगों ने महसूस कर पढ़े अक्षर

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में विज्डम ऑफ माइंड संस्था की तरफ से 'ब्रेन बैलेंसिंग विद नेच्यूरल विजवलाइजेशन' विषय पर सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 12 दृष्टिबाधित बच्चों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भी शिविर का निरीक्षण किया। शिविर का संचालन संस्था के संस्थापक जितेन्द्र कुमार जांगड़ा ने किया। उन्होंने बताया कि शिविर में दृष्टिबाधित बच्चों को ध्यान, योग व अन्य दिमागी व्यायामों के माध्यम से भीतरी ऊर्जा को जगाने का प्रयास किया गया। इस दौरान बच्चों को रंगों की अनुभूति भी होने लगी है। दृष्टिबाधित बच्चों को सामान्य रूप से छपे हुए अक्षरों को महसूस करके पढ़ना व बोलना शुरू किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पद्धति के माध्यम से दृष्टि बाधित व्यक्तियों को शिक्षित करके समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जा सकता है।

गुजवि में आयोजित शिविर में बच्चों को प्रशिक्षित करते हुए जितेंद्र कुमार जांगड़ा।

संस्था ने 500 से अधिक दृष्टिबाधित व्यक्तियों को स्वस्थ समाज से जोड़ा

जितेंद्र जांगड़ा ने बताया कि संस्था ने अब तक 500 से अधिक दृष्टिबाधित व्यक्तियों को ठीक किया है। यह सेवा दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए निशुल्क है। संस्था द्वारा आगामी दो वर्षों में देश के सभी दृष्टिबाधित व्यक्तियों को इस मिशन के साथ जोड़कर उनको स्वस्थ कर समाज की मुख्यधारा के साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर में प्रोमिला, पंकज शर्मा व सुधीर बेरवाल का विशेष सहयोग रहा।

जानिए क्या है यह पद्धति

शिविर के संचालक जितेन्द्र कुमार जांगड़ा ने बताया कि यह पद्धति सामान्य रूप से प्रचलित ब्रेललिपी पद्धति से अलग है। इस पद्धति में दिमाग की आंतरिक शक्तियों को विकसित करके दृष्टिबाधित व्यक्तियों को लिखने, पढ़ने, समझने, महसूस करने व रंगों को पहचानने आदि का ज्ञान करवाया जाता है। इस पद्धति से व्यक्ति की एकाग्रता, याददाश्त व मानसिक दृढ़ता मजबूत होती है। उन्होंने बताया कि यदि सामान्य व्यक्ति दिमाग का व्यायाम व इस पद्धति से अपने दिमाग को उपयोग करने का तरीका सीखते हैं तो उनकी याददाश्त, पढ़ने की गति और एकाग्रता में सुधार लाया जा सकता है। इससे लोग लाभ उठा रहे हैं।

दैनिक जागरण - 11/4/19

जीजेयू : राज्यस्तरीय पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव 23 से

सॉफ्टवेयर निर्माता कंपनी इंफोसिस लेगी साक्षात्कार, जीजेयू के 200 और प्रदेश भर से 2000 से अधिक विद्यार्थी लेंगे भाग

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू में 23 व 24 अप्रैल को 'राज्य स्तरीय पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव' का आयोजन किया जाएगा। ड्राइव में सॉफ्टवेयर निर्माता कंपनी इंफोसिस द्वारा 23 अप्रैल को ऑनलाइन टेस्ट व 24 अप्रैल को सूचीबद्ध विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। इसको लेकर वीरवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक भी उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बैठक में कहा कि रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहे गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार सॉफ्टवेयर निर्माता कंपनी इंफोसिस द्वारा राज्य स्तरीय पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजन किया जा रहा है, जो विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। इसमें जीजेयू के 200 विद्यार्थियों सहित प्रदेश भर के सभी

गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी। - अमर उजाला

निजी व राजकीय विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों से 2000 से अधिक विद्यार्थियों के भाग लेने की संभावना है। इस ड्राइव में भाग लेने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया जारी है और इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 20 अप्रैल तक अपना पंजीकरण करवा सकते हैं।

ड्राइव के सफल संचालन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। इनमें एडवाइजरी कमेटी, ऑर्गेनाइजिंग कमेटी, टेक्निकल इंफ्रास्ट्रक्चर कमेटी, स्टूडेंट रजिस्ट्रेशन कमेटी, प्रोक्टरल एंड स्टूडेंट डिसिप्लिन कमेटी, इंटरव्यू फैसिलीटेशन कमेटी, मीडिया एंड पब्लिसिटी कमेटी, एकोमोडेशन, ट्रांसपोर्टेशन, फूड एंड रिफ्रेशमेंट कमेटी व ट्रांसपोर्टेशन फॉर स्टूडेंड कमेटी शामिल हैं।

पहले दिन होगा एसेसमेंट टेस्ट

कंपनी द्वारा पहले दिन ऑनलाइन एसेसमेंट टेस्ट लिया जाएगा, जिसमें क्वांटिटेटिव एटीट्यूड, लॉजिक व अंग्रेजी भाग शामिल होंगे। इसके बाद अगले दिन तकनीकी व एचआर साक्षात्कार लिया जाएगा। विद्यार्थियों का चयन सिस्टम इंजीनियर के पद पर होगा। चयनित विद्यार्थियों को 3.25 लाख रुपये का प्रारंभिक वार्षिक पैकेज मिलेगा। इंटरव्यू की तैयारी की दृष्टि से 22 अप्रैल को विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में विशेष कार्यशाला का आयोजन भी किया जाएगा।

ऑनलाइन टेस्ट के लिए 500 कंप्यूटर लगाए

पहले दिन के ऑनलाइन टेस्ट के लिए विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस, इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग व कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में 500 कंप्यूटर लगाए गए हैं। ऑनलाइन टेस्ट तीन से चार स्लॉट में डेढ़ से दो घंटे के लिए आयोजित किए जाएंगे। ड्राइव का समय सुबह 9 से 5 बजे तक रखा गया है।

15 विशेषज्ञ करेंगे ड्राइव का संचालन

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि इंफोसिस कंपनी के 15 विषय विशेषज्ञ ड्राइव का संचालन करेंगे। ड्राइव में बीटेक, एमटेक, एमसीए व एमएससी के विद्यार्थी, जिनके 10वीं व 12वीं कक्षा में 60 प्रतिशत तथा स्नातक में 65 प्रतिशत अंक होंगे, वे भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त बीटेक, एमटेक, एमएससी मैथ, एमएससी फिजिक्स, एमएससी कंप्यूटर साइंस के न्यूनतम 65 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।

अमर उजाला - 12/4/19

जीजेयू में कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर शुरू

सेंटर में छह प्रयोगशालाओं में 300 कंप्यूटर रखने की क्षमता, ऑनलाइन टेस्ट हो सकेंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के नवनिर्मित पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर में हवन कर कार्यालय की शुरुआत की गई। जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने हवन में आहुति दी। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत निर्मित इस इमारत का उद्घाटन 2018 में नालंदा विश्वविद्यालय के चांसलर पदमभूषण डॉ. विजय भटकर ने किया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय कम्प्यूटर एंड इनफोर्मेटिक्स सेंटर के निदेशक मुकेश अरोड़ा, संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नवनिर्मित पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर के शुरू होने से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। नवनिर्मित सेंटर में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कंप्यूटर लेब तैयार की गई हैं जोकि विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट व आइडियाज को पूर्ण करने में सक्षम हैं। जीजेयू के सेंटर में बनी छह प्रयोगशालाओं में 300 कंप्यूटर स्थापित करने की क्षमता है। इनमें विद्यार्थियों के ऑनलाइन टेस्ट के संचालन आसानी से हो सकेंगे। सेंटर की इमारत में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

जीजेयू में कंप्यूटर सेंटर में आयोजित हवन में आहुति डालते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

473 लाख रुपये में हुआ इमारत का निर्माण : पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर के निदेशक मुकेश अरोड़ा ने बताया कि सेंटर में बनी छह प्रयोगशालाओं में एक स्किल डिवेलपमेंट लेब, एक लेंग्वेज लैब, एक एडवांस कंप्यूटिंग लैब तथा तीन प्रशिक्षण लैब बनाई गई हैं। इनमें स्टूडेंट्स की स्किल्ड बेस ट्रेनिंग करवाई जाएंगी। सेंटर में नेटवर्किंग/सीसीटीवी/सर्वर लैब व हार्डवेयर रिपेयर लैब भी बनाई गई है। यह इमारत भारत सरकार के राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अनुदान से निर्मित हुई है। सेंटर की इमारत के निर्माण में लगभग 473 लाख रुपए की राशि खर्च हुई है। यह तीन मंजलि इमारत 2253 वर्गमीटर में फैली हुई है। नई इमारत में ऊर्जा कुशल लाइटिंग, पृथ्वी भूकंप प्रतिरोधी प्रणाली, विशाल प्रिदृश्य क्षेत्र, वर्षा जल संचयन प्रणाली का प्रावधान तथा दोहरी पाइपलाइन प्रणाली का प्रावधान किया गया है। यह पूरी इमारत वातानुकूलित है तथा आधुनिक फर्नीचर व सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है।

ऑनलाइन एप्टीट्यूड टेस्ट में भारती बिष्ट ने मारी बाजी

जीजेयू के प्लेसमेंट सेल में ओएमआर शीट आधारित ऑफ-लाइन रीजनिंग टेस्ट का किया गया आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा दो दिवसीय मासिक प्रतिस्पर्धा दिवस (एमसीडी) का आयोजन किया गया। सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि अकादमिक सत्र 2018-19 के इस अंतिम एमसीडी कार्यक्रम के पहले दिन वीरवार को टाइम्स हिसार के द्वारा ओएमआर शीट आधारित ऑफ-लाइन रीजनिंग टेस्ट के आयोजन में विभिन्न विभागों के 1512 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय परीक्षा शाखा के सहयोग से परीक्षा परिणाम घोषित किया गया।

उन्होंने बताया कि पहले दिन की लिखित परीक्षा में से चयनित 137 विद्यार्थियों ने हेलो टॉपर एप के माध्यम से अपने मोबाइल पर ऑनलाइन एप्टीट्यूड टेस्ट दिया, जिसका परिणाम टेस्ट समाप्ति के आधे घंटे बाद ही घोषित किया गया। इस प्रतियोगिता में भारती बिष्ट ने पहला व दिव्यांश मित्तल ने दूसरा, अभिषेक स्योराण ने तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। सुहास दत्ता व नितिन बंसल को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। अपनी कक्षा के सर्वाधिक विद्यार्थियों की सहभागिता की दृष्टि से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के दूसरे वर्ष की छात्रा ज्योति को बेस्ट सीपीसी घोषित किया गया। ट्रेनिंग प्लेसमेंट ऑफिसर संजय सिंह ने बताया कि दूसरे दिन शुक्रवार को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 20 टीमों ने भाग लिया। स्टूडेंट इलेक्शन, डिजिटलाइजेशन, एंटरप्रेन्योरशिप बनाम जॉब, सोशल मीडिया आदि विषयों पर हर टीम के एक विद्यार्थी ने पक्ष और दूसरे ने विपक्ष में अपना विचार रखा। प्रतियोगिता में रेनू शर्मा व तुषार नरवाल की टीम प्रथम स्थान पर, ऊषा कुमारी व दीपक बांडा की टीम दूसरे स्थान पर और श्रुति टंडन व नेहा दास की टीम तीसरे स्थान पर रही।

विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते निदेशक प्रताप सिंह मलिक। - अमर उजाला

जीजेयू में आयोजित मोबाइल ऑनलाइन एप्टीट्यूड टेस्ट में भाग लेते विद्यार्थी।

137 चयनित विद्यार्थियों ने हेलो टॉपर एप के से अपने मोबाइल पर ऑनलाइन एप्टीट्यूड टेस्ट दिया

विजेताओं को किया गया सम्मानित

हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के डॉ. राजीव टामक, साइकोलॉजी विभाग की डॉ. तरुणा व सीएसई विभाग की डॉ. अनुपमा सांगवान ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ इस कार्यक्रम के मुख्य स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर संगीता कोहाड़, आदित्य आनंद व शुभम को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक आदित्यवीर सिंह भी उपस्थित रहे।

हवन के साथ हुई जीजेयू में कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर की शुरुआत

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के नवनिर्मित पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर में हवन कर कार्यालय की शुरुआत की गई। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने हवन में आहुति दी। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत निर्मित इस इमारत का उद्घाटन 2018 में नालंदा विश्वविद्यालय के चांसलर पद्मभूषण डॉ. विजय भटकर ने किया था। इस दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इन्फोर्मेटिक्स सेंटर के निदेशक मुकेश अरोड़ा, संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नवनिर्मित सेंटर के शुरू होने से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। नवनिर्मित सेंटर में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कंप्यूटर लैब तैयार की गई हैं, जो विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट व असाइनमेंट्स को पूर्ण करने में सक्षम हैं। विश्वविद्यालय के सेंटर में बनी छह प्रयोगशालाओं में 300 कंप्यूटर स्थापित करने की क्षमता है। इनमें विद्यार्थियों के ऑनलाइन टेस्ट के संचालन आसानी से हो सकेंगे। सेंटर की इमारत में सीसीटीवी भी लगाए गए हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर के निदेशक मुकेश अरोड़ा ने बताया कि सेंटर में बनी छह प्रयोगशालाओं में एक स्किल डेवलपमेंट लैब, एक लेंग्वेज लैब, एक एडवांस कंप्यूटिंग लैब तथा तीन प्रशिक्षण लैब बनाई गई हैं। सेंटर में नेटवर्किंग/सीसीटीवी/सर्वर लैब तथा हार्डवेयर रिपेयर लैब का प्रावधान भी किया गया है। यह इमारत भारत सरकार के राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अनुदान से निर्मित हुई है। इमारत के निर्माण में करीब 4 करोड़ 73 लाख रुपये खर्च हुए हैं। यह तीन मंजिला इमारत 2253 वर्गमीटर में फैली हुई है। नई इमारत में ऊर्जा कुशल लाइटिंग, पृथ्वी भूकंप प्रतिरोधी प्रणाली, विशाल परिदृश्य क्षेत्र, वर्षा जल संचयन प्रणाली का प्रावधान तथा दोहरी पाइपलाइन प्रणाली का प्रावधान किया गया है।

हवन के दौरान आहुति डालते कुलपति टंकेश्वर कुमार व अन्य।

अमर उजाला - 13-4-2019

गुजवि में पूल कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव की तैयारियां पूरी

कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के लिए 1200 ने करवाया रजिस्ट्रेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में 23 व 24 अप्रैल को प्रस्तावित प्रदेशस्तरीय पूल कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस संबंध में विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कम्प्यूटर लैब व साक्षात्कार स्थल का निरीक्षण किया तथा सम्बन्धित कमेटियों की बैठक ली। बैठक में विवि के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक तथा कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

- 23 व 24 को होगा प्लेसमेंट ड्राइव, 22 को विवि में विशेष कार्यशाला होगी

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि ड्राइव में सॉफ्टवेयर निर्माता कम्पनी इंफोसिस द्वारा 23 अप्रैल को ऑनलाइन टेस्ट व 24 अप्रैल को सूचीबद्ध विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। ड्राइव में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 200 विद्यार्थियों सहित प्रदेश भर के सभी निजी व राजकीय विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक 1200 से अधिक विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण करवाया गया है।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि इंफोसिस कम्पनी के 10 विषय विशेषज्ञ ड्राइव का संचालन करेंगे। ड्राइव में बीटेक, एमटेक, एमसीए, व एमएससी के विद्यार्थी जिनके 10वीं व 12वीं कक्षा में 60 प्रतिशत तथा स्नातक में 65 प्रतिशत अंक हों, भाग ले सकते हैं।

इसके अतिरिक्त एमटेक, एमएससी मैथ, एमएससी फिजिक्स, एमएससी कम्प्यूटर साइंस के न्यूनतम 65 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। पहले दिन के ऑनलाइन टेस्ट के लिए विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर एंड इन्फोर्मेटिक्स सेंटर, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस, इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में 500 कम्प्यूटर लगाए गए हैं। ऑनलाइन टेस्ट तीन से चार स्लॉट में डेढ़ से दो घंटे के होंगे। ड्राइव में भाग लेने वाले विद्यार्थी सुबह 9 बजे विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मेन हॉल में उपस्थित होंगे और उनका प्री-प्लेसमेंट टॉक होगा। कम्पनी द्वारा पहले दिन ऑनलाइन असेसमेंट टेस्ट लिया जाएगा जिसमें क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड, लॉजिकल तथा अंग्रेजी भाग शामिल होंगे। इसके उपरांत अगले दिन तकनीकी तथा एचआर साक्षात्कार लिया जाएगा। विद्यार्थियों का चयन सिस्टम इंजीनियर के पद पर होगा। इंटरव्यू की तैयारी की दृष्टि से 22 अप्रैल को विवि के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में विशेष कार्यशाला का आयोजन भी किया जाएगा।

गुजवि में ऑनलाइन फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से ऑनलाइन फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत दाखिले के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है जबकि 1000 रुपये लेट फीस के साथ आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त होगी। [illegible]

हरिभूमि - 20-04-2019

सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता-2019 के लिए विवि रजत पदक प्राप्त करतीं जीजेयू की पूर्व छात्रा डॉ. सुष्मिता बास्कर।

जीजेयू की पूर्व छात्रा को मिला विश्वविद्यालय रजत पदक

हिसार। जीजेयू की पूर्व छात्रा डॉ. सुष्मिता बास्कर को सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता -2019 के लिए विश्वविद्यालय रजत पदक से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान सुष्मिता बास्कर को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 32वें दीक्षांत समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा दिया गया। डा. सुष्मिता जीजेयू के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने वर्ष 2002 में जीजेयू से पीएचडी डिग्री की थी। वे विज्ञान के सतत विकास व अन्य ग्रहों पर जीवन की खोज के क्षेत्र में काम कर रही हैं। वे स्वीडन, स्विट्जरलैंड व नॉर्वे से कई फैलोशिप प्राप्त कर चुकी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पूर्व छात्रा को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

गुजवि की पूर्व छात्रा को उपराष्ट्रपति से मिला विश्वविद्यालय रजत पदक

पांच दो न्यूज

हिसार। गुजवि की पूर्व छात्रा डा. सुष्मिता भास्कर को सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता-2019 के लिए विश्वविद्यालय रजत पदक से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान सुष्मिता भास्कर को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 32वें दीक्षांत समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा दिया गया। डा. सुष्मिता गुजवि प्रौवि हिसार के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की पूर्व छात्रा हैं।

उन्हें वर्ष 2002 में गुजवि प्रौवि हिसार ने पीएचडी डिग्री प्रदान की थी। वे विज्ञान के सतत विकास व अन्य ग्रहों पर जीवन की खोज के क्षेत्र जियोमाइक्रोबायोलोजी के क्षेत्र में काम कर रही हैं। वे स्वीडन, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे से कई फैलोशिप प्राप्त कर चुकी हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पूर्व छात्रा को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है व कामना की कि विवि के विद्यार्थी आगे भी इसी प्रकार से विवि का नाम रोशन करते रहेंगे।

जीजेयू के फिजियोथरेपी के 8 स्टूडेंटस को मिला प्लेसमेंट

हिसार, 20 अप्रैल (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा ऑन कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव का आयोजन किया गया। ड्राइव में विश्वविद्यालय के फिजियोथरेपी विभाग के आठ विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ऑन कैम्पस प्लसमैंट ड्राइव में दिल्ली स्थित जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड, मोहाली स्थित आस्था थेरापयूटिक इंटरवेंशन तथा गुरूग्राम स्थित दी चाईल्ड ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड के फिजियोथरेपी विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार, आस्था थेरापयूटिक इंटरवेशन कम्पनी से डा. वसुधा कामरा व दी चाइल्ड से डा. हिमांशु खुराना द्वारा प्री-प्लेसमैंट टॉक, ग्रुप डिस्कशन व विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया गया। एचआर साक्षात्कार के उपरान्त आठ विद्यार्थियों का चयन किया गया है तथा दो विद्यार्थियों को इंटरशीप रखा गया है। प्रताप सिंह मलिक ने फिजियोथरेपी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आर. बास्कर, प्रो. शबनम जोशी तथा डा. मनोज मलिक का विद्यार्थियों को तैयार करने व प्रोत्साहित करने के लिए आभार व्यक्त किया है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के फिजियोथरेपी विभाग की छात्रा बबीता कुमारी व भारती का जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड में चयन हुआ है वहीं प्रिया, रविकांत व सनीधिया को इंटर्नशीप पर रखा गया है। छात्रा मोनिका व सरिता का दी चाईल्ड व ममता, शिखा, भारती व प्रियंका का आस्था थेरापयूटिक इंटरवेंशन में चयन हुआ है।

पानीपत - 20-04-2019

फिजिक्स एसोसिएशन का वार्षिकोत्सव गूंज 2019 कार्यक्रम आयोजित

गुजवि के फिजिक्स विभाग ने देश में बनाई अलग पहचान : प्रो. टंकेश्वर

- हरियाणवी व पंजाबी गीतों पर थिरके विद्यार्थी
- खेलकूद प्रतियोगिता के विजेताओं को मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के फिजिक्स विभाग की फिजिक्स एसोसिएशन द्वारा वार्षिकोत्सव गूंज 2019 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बतौर मुख्यातिथि कार्यक्रम में शिरकत की।

इस अवसर पर विभाग की अध्यक्षा प्रो. सुजाता सांघी, अधिष्ठाता प्रो. देवेन्द्र मोहन व प्रो. सुनीता श्रीवास्तवा भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का फिजिक्स विभाग प्रदेश में नम्बर एक पर है। विभाग का शोध कार्य देश में अपनी एक अलग पहचान बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर फिजिक्स की भर्ती में भी विश्वविद्यालय के एलुमनाई व शोधार्थी सबसे अधिक रहे हैं।

फिजिक्स विभाग के शिक्षकों के सहयोग से विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई फिजिक्स एसोसिएशन एक सराहनीय कदम है। एसोसिएशन द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रत्येक प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों को भाग लेना चाहिए। कम समय में एसोसिएशन द्वारा करवाई गई विभिन्न गतिविधियों से विद्यार्थियों का कौशल विकास होगा। उन्होंने कहा कि हमें सकारात्मक सोच के साथ शिक्षा ग्रहण करते हुए अपना निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए। एसोसिएशन के प्रधान डा. जोगेन्द्र सिंह ने स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच पैदा करने व भौतिक विज्ञान की अन्य गतिविधियों के साथ विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए इस एसोसिएशन को शुरू किया गया है। विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तवा ने एसोसिएशन की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

उन्होंने बताया कि 6 जनवरी, 2019 को एसोसिएशन की स्थापना की गई थी और अब तक खेलकूद, शैक्षणिक व वैज्ञानिकी गतिविधियों का आयोजन एसोसिएशन द्वारा किया गया है। वार्षिकोत्सव में बीएससी एवं एमएससी के विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, कविता व लाईव प्रर्फोमैंस की विशेष प्रस्तुति दी। बीएससी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी पंकज ने यकॉलेज का नाम बड़ा, लाईफ स्कूल वाली ही बढ़िया होंदी है कविता प्रस्तुत की। एमएससी की छात्रा अंजली ने ह्यमेरे महबूब कमायात होगी गीत की विशेष प्रस्तुति ने सबको झुमने पर मजबूर कर दिया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने विभिन्न हरियाणवीं व पंजाबी गानों पर जमकर थिरके। विद्यार्थी रविन्द्र ने हरियाणवीं भाषा में कॉमेडी की विशेष प्रस्तुति दी।

तीन टॉपर विद्यार्थियों को किया सम्मानित

एसोसिएशन के प्रधान डा. जोगेन्द्र सिंह ने बताया कि इस अवसर पर ऐसोसिएशन द्वारा मार्च में आयोजित की गई खेलकूद प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों व एमएससी व बीएससी 2016, 2017 बैच के पहले तीन टॉपर विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। लड़कियों की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में अंजली प्रथम, मुश्कान शर्मा द्वितीय व रेनू तृतीय स्थान पर रही। लड़कों की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में नरेश ने पहला स्थान प्राप्त किया। रवि व अमन ने दूसरा व तीसर स्थान प्राप्त किया। लड़कों व लड़कियों की 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में अंजली व विकास पूनिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुमन व मंजीत कुंड्डू ने द्वितीय स्थान तथा रेनू व अभिषेक श्योराण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कों की 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में विकास पूनिया पहले, मंजीत कुंड्डू दूसरे व सत्यम तीसरे स्थान पर रहा।

लड़कियों की थ्री लैग दौड़ प्रतियोगिता में अंजली व निलम प्रथम, सुमन व सूरभी द्वितीय तथा दिवाली व दीपिका तृतीय स्थान पर रही। लड़कों की थ्री लैग दौड़ प्रतियोगिता में विवेक शर्मा व नरेश ने पहला, विकास पूनिया व अभिशेक श्योराण ने दूसरा तथा योगेश व योगेन्द्र ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कों की बैडमिंटन प्रतियोगिता में योगेन्द्र, नवनीत व अभिषेक श्योराण पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। लड़कियों की बैडमिंटन प्रतियोगिता में दिपाली, सुरभी व दीपिका ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि सइंटिका 2019 कार्यक्रम के विजेता प्रतियोगियों को भी सम्मानित किया गया।

हरिभूमि - 28-4-2019

कुलपति ने छात्रों को दिया अनुशासन व सकारात्मक सोच रखने का संदेश

- राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत वार्षिकोत्सव कार्यक्रम मनाया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

हिसार। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत वार्षिकोत्सव कार्यक्रम 'प्रेरणा' मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी ने की।

कुलपति ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ जुड़ना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना का मतलब अपने अंदर अनुशासन पैदा करना व सकारात्मक सोच के साथ देश की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी को प्रत्येक क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारी समझते हुए कार्य को पूर्ण करना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. देवेन्द्र मोहन, डा. विकास वर्मा, कार्यक्रम अधिकारी डा. कश्मीरी लाल, डा. सुमन दहिया, डा. अंजु गुप्ता, डा. विजय पाल, डा. विक्रमजीत, डा. सीमा गुप्ता, डा. अशोक यादव, डॉ. श्यामलाल आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान प्रो. सुजाता सांघी ने इकाई की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि एनएसएस द्वारा शिविरों के माध्यम से डेक्लामेशन कम्पीटिशन, प्रश्न-पहेली, ट्रेनिंग, खेलकूद प्रतियोगिता, कवि गोष्ठी, क्विज, पोस्टर मेकिंग व रंगोली प्रतियोगिता, नशा मुक्ति रैली, नुक्कड़ सभा, फिल्मस इंडिया व एक्सटेन्शन शिविरों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान एनएसएस कोर्स पूरा करने वाले सभी विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों व विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के 748 स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

हरिभूमि - 29-4-2019

जीजेयू ने यूजी और पीजी कोर्सेस सिलेबस बदलने को एक्सपर्ट्स की बनाईं कमेटियां

नए सेशन में यूनिवर्सिटी के विभिन्न कोर्सेस में सिलेबस के बदलाव की तैयारी

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्सेस में सिलेबस बदलने के लिए बाहर की यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स की कमेटियां गठित की गई हैं। ये कमेटियां नये सेशन में सिलेबस को बदलने का काम करेंगी। जीजेयू में सोमवार को यूनिवर्सिटी व कॉलेजों के सिलेबस बदलने का लेकर बैठक का आयोजन किया, जिसमें विवि प्रशासन ने विभिन्न कोर्सेस के लिए कमेटियों का गठन किया। एक्सपर्ट कमेटी में पंजाब यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी व कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से विभिन्न विषयों के एक्सपर्ट को कमेटी में शामिल किया है। इन यूनिवर्सिटी के सिलेबस को भी विभिन्न कोर्सेस के जरूरी टॉपिक्स को सिलेबस में मिलाया जाएगा।

ग्रेजुएशन में दूसरे व पोस्ट ग्रेजुएशन के प्रथम वर्ष को नया सिलेबस होगा जारी

जीजेयू इस सेशन में कॉलेजों व यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन कोर्सेस के दूसरे वर्ष के सिलेबस में बदलाव करेगी। यूनिवर्सिटी में एमए हिंदी, एमए इंग्लिश, इकनॉमिक्स, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर एप्लीकेशन सहित अन्य कोर्सेस के सिलेबस में बदलाव किया जाएगा। वहीं ग्रेजुएशन कोर्स के फाइनल ईयर के सिलेबस में बदलाव अगले वर्ष किया जाएगा। जीजेयू ने पिछले वर्ष ग्रेजुएशन में प्रथम वर्ष के सिलेबस में बदलाव किया था। वहीं पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्सेस के सिलेबस में बदलाव किया जाएगा।

जीजेयू में इकनॉमिक्स डिपार्टमेंट भी होगा शुरू

जीजेयू में हिंदी, अंग्रेजी, कंप्यूटर साइंस के डिपार्टमेंट के साथ-साथ इकनॉमिक्स का डिपार्टमेंट भी शुरू किया जाएगा। जीजेयू से जुड़े 26 डिग्री कॉलेजों में एमए हिंदी व एमए अंग्रेजी विषय चल रहे हैं। इन कोर्सेस के डिपार्टमेंट बनने से कॉलेजों को सिलेबस को लेकर आने वाली समस्या भी हल हो जाएगी।

कॉलेजों ने डिपार्टमेंट शुरू करने की मांग की थी

जीजेयू के अंडर जिले के डिग्री कॉलेजों ने जीजेयू से विभिन्न विषयों के डिपार्टमेंट शुरू करने की मांग की थी। कॉलेज प्रतिनिधियों द्वारा दी गई शिकायत में डिपार्टमेंट न होने के कारण सिलेबस जल्द उपलब्ध न होने की समस्या उठाई थी। जिस पर विवि ने संज्ञान लेते हुए नए सेशन में विभिन्न डिपार्टमेंट शुरू करने का फैसला लिया है।

रोजगार के मुताबिक तैयार होगा सिलेबस

सिलेबस में बदलाव करने के लिए बैठक में कमेटियों का गठन किया गया है। यूनिवर्सिटी द्वारा कॉलेजों में जॉब ओरिएंटेड सिलेबस बनाया जाएगा, ताकि स्टूडेंट्स जल्द रोजगार हासिल कर सकें। बाहर की यूनिवर्सिटी से भी एक्सपर्ट को शामिल किया गया है।

-प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू